पाठ 13. बचपन की यादें

पाठ का उद्देश्य

बचपन के दिन वे दिन होते हैं जिन्हें व्यक्ति कभी भूल नहीं पाता। बचपन से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात व्यक्ति के मन के किसी कोने में विशेष स्मृति के रूप में बस जाती है। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बचपन की खट्टी-मीठी यादों से अवगत करवाना है।

पाठ का सारांश

इंदिरा गांधी का बचपन भी आम बच्चों की तरह ही बीता। इंदिरा जी ने अपने माता-पिता का प्यार भरपूर पाया। वे अपनी माँ को 'डोल अम्माँ' कहती थीं। इंदिरा में देशभक्ति के भाव बचपन से ही पनप गए थे। इंदिरा जी के पिता नेहरू जी और माता कमला नेहरू स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने के कारण अधिकांशत: जेल में ही रहते थे। पंद्रह दिनों में एक बार इंदिरा जी को अपने माता-पिता से जेल में मिलने दिया जाता था। नेहरू जी जेल से इंदिरा जी को पत्र लिखा करते थे। नेहरू जी द्वारा लिखे गए पत्रों का संग्रह 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' भारतीय साहित्य की निधि माने जाते हैं।

अध्यापन-संकेत

पहले पाठ का स्वयं वाचन करें फिर बच्चों से करवाएँ। बच्चों से उनके बचपन के बारे में कोई ऐसी बात अथवा किस्सा बताने को कहें जो उन्हें याद हो।

- बच्चों को इंदिरा गांधी के बारे में बताएँ।
- उन्हें स्वाधीनता संग्राम से जुड़ी कुछ घटनाओं के बारे में भी जानकारी दें।
- इंदिरा गांधी की 'वानर सेना' के बारे में बच्चों को बताएँ। (यदि आप जानते/जानती हों।)
- बच्चों को समझाएँ कि यदि व्यक्ति में साहस हो तो वह मुश्किलों का सामना करने से नहीं डरता तथा विपरीत परिस्थितियों को भी अपने अनुकूल बना सकता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।